भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

19.03.2025 के

अतारांकित प्रश्न सं. 3146 का उत्तर

थावे जंक्शन से ट्रेनों की अनुपलब्धता

3146. डॉ. आलोक कुमार सुमन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि थावे जंक्शन से रेल सेवा उपलब्ध न होने के कारण महानगरों के लिए 150 से अधिक बसें संचालित हो रही हैं और यदि हां, तो ऐसी रेलवे राजस्व हानि को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए गए हैं;

(ख) क्या यह सच है कि सरकार थावे जंक्शन से विभिन्न महानगरों के लिए रेलगाड़ियों की लंबे समय से चली आ रही मांग पर विचार नहीं कर रही है और यदि नहीं, तो इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) क्या यह सच है कि थावे जंक्शन को शुरू में रेल जोनल कार्यालय बनाने के लिए प्रस्ताव किया गया था और यदि हां, तो इस दिशा में उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि रेलवे अधिकारियों और निजी बस ऑपरेटरों के बीच सांठगांठ के कारण यहां से महानगरों के लिए रेल सेवाएं उपलब्ध नहीं हो पा रही हैं और यदि हां, तो इस संबंध में किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): वर्तमान में, थावे जंक्शन 06 मेल/एक्सप्रेस और 22 यात्री सेवाओं द्वारा सेवित किया जा रहा है, जो थावे के यात्रियों को अन्य स्थानों के साथ-साथ सिवान, पाटलिपुत्र, गोरखपुर, लखनऊ आदि जैसे गंतव्य के लिए सम्पर्कता प्रदान करती हैं। इसके अलावा, थावे के यात्री सिवान (थावे से 28 कि.मी.) पर भी गाड़ी बदल सकते हैं, जो देश के प्रमुख स्टेशनों से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, भारतीय रेल परिचालनिक व्यवहार्यता, यातायात औचित्य, प्रतिस्पर्धी मांगों आदि के अध्यधीन, स्टेशनों के बीच सम्पर्कता प्रदान करने का निरंतर प्रयास करती है। ऐसे कारक, जिनमें प्रारंभिक/गंतव्य स्टेशनों पर अवसंरचनात्मक सुविधाओं की कमी/अनुपलब्धता शामिल है, जैसाकि थावे के मामले में है, के मामलों में लंबी दूरी की गाड़ियों को शुरूआत को रोकते हैं।

****